



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 187 ]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर 20, 2003/कार्तिक 29, 1925

No. 187 ]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 20, 2003/KARTIKA 29, 1925

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 20 नवम्बर, 2003

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(स्टाक दलाल और उप-दलाल) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2003

फा. सं. भा.प्र.वि.बो./विधि/20795/2003.— बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टाक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :-

1. (i) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टाक दलाल और उप-दलाल) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2003 कहा जा सकेगा ।  
(ii) वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
2. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टाक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992 में -  
क) विनियम 23 के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्, -

" बोर्ड निरीक्षण या अन्वेषण रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् ऐसी कार्रवाई करेगा जो यह ठीक तथा समुचित समझे जिसमें भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम,

अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002, अधिनियम के अध्याय VIक या अधिनियम की धारा 24 के अधीन कार्रवाई सम्मिलित है।"

ख) विनियम 25 के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् -

**"25. अधिनियम, नियमों या विनियमों के उल्लंघन के लिए दायित्व -** स्टॉक दलाल या उप-दलाल जो अधिनियम, उसके अधीन विरचित नियमों या विनियमों के उपबंधों में से किसी का उल्लंघन करता है निम्नलिखित कार्रवाइयों में से किसी एक या अधिक के लिए दायी होगा -

- (i) अधिनियम के अध्याय VIक के अधीन आर्थिक शास्ति ।
- (ii) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002 के अधीन यथा विनिर्दिष्ट शास्तियाँ जिनमें स्टॉक दलाल या उप-दलाल के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का निलंबन या रद्दकरण सम्मिलित है ।
- (iii) अधिनियम की धारा 24 के अधीन अभियोजन ।

**26. आर्थिक शास्ति के लिए दायित्व -** स्टॉक दलाल या उप-दलाल निम्नलिखित अतिक्रमणों की बाबत आर्थिक शास्ति के लिए दायी होगा, अर्थात् -

- (i) बोर्ड के पास कोई विवरणी या रिपोर्ट दाखिल करने में असफलता ।
- (ii) बोर्ड द्वारा सूचना के जारी होने के 15 दिनों के भीतर कोई जानकारी, बहियाँ या अन्य दस्तावेज देने में असफलता ।
- (iii) अधिनियम, उसके अधीन विरचित नियमों या विनियमों के अनुसार लेखा बहियों या अभिलेखों को बनाये रखने में असफलता ।
- (iv) बोर्ड से सूचना की प्राप्ति के 30 दिनों के भीतर विनिधानकर्ताओं की शिकायतें दूर करने में असफलता ।
- (v) ऐसे स्टॉक एक्सचेंज द्वारा विनिर्दिष्ट प्ररूप और रीति में संविदा नोटों को जारी करने में असफलता जिसका ऐसा दलाल सदस्य है ।
- (vi) व्यापार के निपटान के 48 घंटों के भीतर विनिधानकर्ता को कोई प्रतिभूति परिदत्त करने या देय रकम का भुगतान करने में असफलता जब तक कि ग्राहक अन्यथा लिखित में सहमत न हुआ हो ।
- (vii) दलाली जो विनियमों या स्टॉक एक्सचेंजों की उप-विधियों में विनिर्दिष्ट दलाली से अधिक है को प्रभारित करना ।
- (viii) किसी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध निगमित निकाय की प्रतिभूतियों में अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी के आधार पर अपनी स्वयं की ओर से या किसी अन्य व्यक्ति की ओर से व्यापार ।

- (ix) कारबार के साधारण अनुक्रम में या किसी विधि के अधीन अपेक्षित के सिवाय कोई अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी उपाप्त करना या संसूचित करना ।
- (x) अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी के आधार पर किसी निगमित निकाय की प्रतिभूतियों में व्यौहार करने में किसी व्यक्ति को परामर्श देना ।
- (xi) प्रतिभूतियों से संबंधित कपटपूर्ण और अशुद्ध व्यापारिक व्यवहारों में अंतर्ग्रस्तता ।
- (xii) अधिनियम, उसके अधीन विरचित नियमों या विनियमों के अधीन ग्राहक के साथ करार किये बिना व्यापार का निष्पादन या ग्राहक रजिस्ट्रीकरण प्ररूप बनाये रखने में असफलता या ग्राहक करार को बनाये रखने में कोई अनियमितताएँ करना ।
- (xiii) उसकी स्वयं की निधियों या प्रतिभूतियों को ग्राहक की निधियों या प्रतिभूतियों से पृथक् करने में असफलता अथवा ग्राहक की प्रतिभूतियों या निधियों को उसके स्वयं के प्रयोजन के लिए या किसी अन्य ग्राहक के प्रयोजन के लिए उपयोग करना ।
- (xiv) अरजिस्ट्रीकृत उप-दलाल के रूप में कार्य करना या अरजिस्ट्रीकृत उप-दलालों के साथ व्यौहार करना ।
- (xv) अधिनियम या उसके अधीन विरचित विनियमों के अधीन बोर्ड द्वारा जारी निदेशों के अनुपालन में असफलता ।
- (xvi) सम्यक् कौशल, सावधानी और तत्परता बरतने में असफलता ।
- (xvii) इसकी प्रास्थिति और संघटन में किसी परिवर्तन की दशा में बोर्ड की पूर्व अनुज्ञा लेने में असफलता ।
- (xviii) बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट शुद्ध-मालियत या पूंजी पर्याप्तता मानदंडों, यदि कोई हों, को पूरा करने में असफलता ।
- (xix) किसी अप्राधिकृत व्यक्ति या स्थान तक व्यापारिक टर्मिनल के उपयोग को विस्तारित करना ।
- (xx) अतिक्रमण जिनके लिए कोई पृथक् शास्ति इन विनियमों के अधीन उपबंधित नहीं की गयी है ।

**27. जांच कार्यवाही संबंधी विनियमों के अधीन कार्रवाई के लिए दायित्व** - स्टॉक दलाल या उप-दलाल भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002 में यथा विनिर्दिष्ट किसी कार्रवाई के लिए दायी होगा जिसमें स्टॉक दलाल या उप-दलाल, यथास्थिति, के रूप में उसके रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का निलंबन या रद्दकरण सम्मिलित है, यदि -

- (i) वह स्टॉक एक्सचेंज का सदस्य नहीं रहता है ; या
- (ii) उसे स्टॉक एक्सचेंज द्वारा व्यतिक्रमी घोषित किया गया है और छह मास की कालावधि के भीतर सदस्य के रूप में पुनःग्रहण नहीं किया गया है ; या

- (iii) वह बोर्ड को अपना रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभ्यर्पित कर देता है ; या
- (iv) उसे इन या किन्हीं अन्य विनियमों के अधीन बोर्ड द्वारा उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति नहीं पाया गया है ; या
- (v) उसे दिवालिया घोषित किया गया है अथवा परिसमापन के लिए आदेश कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन रजिस्ट्रीकृत कंपनी होने के नाते दलाल या उप-दलाल के मामले में पारित किया गया है ; या
- (vi) उसे या भागीदारों में से किसी को या किसी पूर्णकालिक निदेशक को यदि दलाल या उप-दलाल कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन रजिस्ट्रीकृत कंपनी है अपराध जिसमें नैतिक अधमता अंतर्बलित है के लिए सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा सिद्धदोष ठहराया गया है ; या
- (vii) वह इन विनियमों की अनुसूची III के अनुसार फीस अदा करने में असफल रहता है ; या
- (viii) वह नियमों, विनियमों और स्टॉक एक्सचेंज जिसका वह सदस्य है की उप-विधियों का अनुपालन करने में असफल रहता है ; या
- (ix) वह निरीक्षण या अन्वेषक प्राधिकारी के साथ सहयोग करने में असफल रहता है ; या
- (x) वह भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अधिनिर्णायक) विनियम, 2003 के अधीन अधिनिर्णायक के किसी पंचाट या बोर्ड के विनिश्चय का पालन करने में असफल रहता है ; या
- (xi) वह न्यायनिर्णायक अधिकारी द्वारा अधिरोपित शास्ति को अदा करने में असफल रहता है ; या
- (xii) वह प्रतिभूतियों या सूचकांक के बाजार छलसाधन में अंतर्ग्रस्त रहता है ; या
- (xiii) वह भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 1992 के अतिक्रमण में अंतरंग व्यापार में अंतर्ग्रस्त रहता है ; या
- (xiv) वह भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति बाजार से संबंधित कपटपूर्ण और अत्रट्जु व्यापारिक व्यवहारों का प्रतिषेध) विनियम, 2003 का अतिक्रमण करता है ; या
- (xv) वह उपबंधों जिनके लिए आर्थिक शास्ति या अन्य शास्तियाँ अधिरोपित की जा सकती हों में से किसी का अतिक्रमण करता है ; या
- (xvi) वह बोर्ड द्वारा जारी परिपत्रों का अनुपालन करने में असफल रहता है ; या
- (xvii) वह विनियम 26 में विनिर्दिष्ट अतिक्रमण करता है जो बोर्ड की राय में गंभीर प्रकृति के हैं ।

**28. अभियोजन के लिए दायित्व** - स्टॉक दलाल या उप-दलाल अधिनियम की धारा 24 के अधीन निम्नलिखित अतिक्रमणों में से किसी हेतु अभियोजन के लिए दायी होगा, अर्थात् :-

- (i) स्टॉक दलाल या उप-दलाल के रूप में बोर्ड से रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभिप्राप्त किये बिना प्रतिभूतियों में व्यापार ।

- (ii) प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 या उसके अधीन बनाये गये नियमों या जारी अधिसूचनाओं के उपबंधों के अतिक्रमण में मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के बाहर प्रतिभूतियों में व्यापार या ट्रेडिंग फ्लोर की व्यवस्था या व्यापार में सहायता ।
- (iii) प्रतिभूतियों या सूचकांक के बाजार छलसाधन ।
- (iv) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 1992 के अतिक्रमण में अंतरंग व्यापार में अंतर्ग्रस्तता ।
- (v) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति बाजार से संबंधित कपटपूर्ण और अशुद्ध व्यापारिक व्यवहारों का प्रतिषेध) विनियम, 2003 का अतिक्रमण ।
- (vi) उचित कारण के बिना -
  - (क) अन्वेषक प्राधिकारी या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति को, किन्हीं बहियों रजिस्ट्रों, अभिलेखों या अन्य दस्तावेजों जो उसकी अभिरक्षा या शक्ति में हैं को पेश करने में ; या
  - (ख) अन्वेषक प्राधिकारी के समक्ष व्यक्तिगत रूप से हाजिर होने में या किसी प्रश्न जो अन्वेषक प्राधिकारी द्वारा उससे पूछा जाता है का उत्तर देने में ; या
  - (ग) अन्वेषक प्राधिकारी द्वारा लिखे गये किसी परीक्षा के टिप्पणों पर हस्ताक्षर करने में असफलता ।
- (vii) न्यायनिर्णायक अधिकारी द्वारा अधिरोपित शास्ति अदा करने में असफलता अथवा उसके निदेशों या आदेशों में से किसी की अनुपालना में असफलता । "

ज्ञानेन्द्र नाथ बाजपेयी, अध्यक्ष

[ विज्ञापन III/IV/69-जैड बी/2003/असा. ]

#### पाद टिप्पण :

1. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टाक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992, मूल विनियम, जी.एस.आर. सं. 780(ई), 23 अक्टूबर, 1992 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था ।

## 2. यह तत्पश्चात् :

- (क) भाप्रविबो (फीस का संदाय) (संशोधन) विनियम, 1995 का.आ. सं.939(अ) द्वारा 28 नवम्बर, 1995
- (ख) भाप्रविबो (स्टाक दलाल और उप-दलाल) (संशोधन) विनियम, 1998 का.आ. सं. 13(अ) द्वारा 5 जनवरी, 1998
- (ग) भाप्रविबो (स्टाक दलाल और उप-दलाल) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1998 का.आ. सं.75(अ) द्वारा 21 जनवरी, 1998
- (घ) भाप्रविबो (स्टाक दलाल और उप-दलाल) (तीसरा संशोधन) विनियम, 1998 का.आ. सं.1078(अ) द्वारा 16 दिसम्बर, 1998
- (ङ) भाप्रविबो (स्टाक दलाल और उप-दलाल) (संशोधन) विनियम, 1999 का.आ. सं.541(अ) द्वारा 6 जुलाई, 1999
- (च) भाप्रविबो (स्टाक दलाल और उप-दलाल) (संशोधन) विनियम, 2000 का.आ. सं.234(अ) द्वारा 14 मार्च, 2000
- (छ) भाप्रविबो (प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण को अपील) (संशोधन) विनियम, 2000 का.आ. सं. 278 (अ) द्वारा 28 मार्च, 2000
- (ज) भाप्रविबो (स्टाक दलाल और उप-दलाल) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2000 का.आ. सं.787 (अ) द्वारा 30 अगस्त, 2000
- (झ) भाप्रविबो (मध्यवर्तियों द्वारा विनिधान सलाह) (संशोधन) विनियम, 2001 का.आ. सं.476(अ) द्वारा 29 मई, 2001
- (ञ) भाप्रविबो (स्टाक दलाल और उप-दलाल) (संशोधन) विनियम, 2001 का.आ. सं.1128(अ) द्वारा 15 नवम्बर, 2001
- (ट) भाप्रविबो (स्टाक दलाल और उप-दलाल) (संशोधन) विनियम, 2002 का.आ. सं.220(अ) द्वारा 20 फरवरी, 2002
- (ठ) भाप्रविबो (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002 का.आ. सं.1045(अ) द्वारा 27 सितम्बर, 2002

- (ड) भाप्रविबो (स्टाक दलाल और उप-दलाल) (संशोधन) विनियम, 2003 का.आ. सं.1095(अ) द्वारा 23 सितम्बर, 2003

को संशोधित हुआ था।

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA**

**NOTIFICATION**

Mumbai, the 20th November, 2003

**Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers)  
(Second Amendment) Regulations, 2003**

**F. No. SEBI/LAD/20795/2003.**— In exercise of the powers conferred by section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following regulations to amend the Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992, namely:-

1. (i) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Second Amendment) Regulations, 2003.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992 -
  - a) for regulation 23 the following shall be substituted, namely, -

"The Board shall after consideration of inspection or investigation report take such action as it may deem fit and appropriate including action under the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulation, 2002, Chapter VI A of the Act or section 24 of the Act."

- b) for regulation 25, the following regulations shall be substituted, namely –

**“25. Liability for contravention of the Act, rules or the regulations-** A stock broker or a sub-broker who contravenes any of the provisions of the Act, rules or regulations framed thereunder shall be liable for any one or more of the following actions-

- (i) Monetary penalty under Chapter VIA of the Act.
- (ii) Penalties as specified under Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulation, 2002 including suspension or cancellation of certificate of registration as a stock broker or a sub-broker.
- (iii) Prosecution under section 24 of the Act.

**26. Liability for monetary penalty-** A stock broker or a sub-broker shall be liable for monetary penalty in respect of the following violations, namely -

- (i) Failure to file any return or report with the Board.
- (ii) Failure to furnish any information, books or other documents within 15 days of issue of notice by the Board.
- (iii) Failure to maintain books of accounts or records as per the Act, rules or regulations framed thereunder.
- (iv) Failure to redress the grievances of investors within 30 days of receipt of notice from the Board.
- (v) Failure to issue contract notes in the form and manner specified by the stock exchange of which such broker is a member.
- (vi) Failure to deliver any security or make payment of the amount due to the investor within 48 hours of the settlement of trade unless the client has agreed in writing otherwise.
- (vii) Charging of brokerage which is in excess of brokerage specified in the regulations or the bye-laws of the stock exchange.
- (viii) Dealing in securities of a body corporate listed on any stock exchange on his own behalf or on behalf of any other person on the basis of any unpublished price sensitive information.



- (ix) Procuring or communicating any unpublished price sensitive information except as required in the ordinary course of business or under any law.
- (x) Counseling any person to deal in securities of any body corporate on the basis of unpublished price sensitive information.
- (xi) Indulging in fraudulent and unfair trade practices relating to securities.
- (xii) Execution of trade without entering into agreement with the client under the Act, rules or regulations framed thereunder or failure to maintain client registration form or commission of any irregularities in maintaining the client agreement.
- (xiii) Failure to segregate his own funds or securities from the client's funds or securities or using the securities or funds of the client for his own purpose or for purpose of any other client.
- (xiv) Acting as an unregistered sub-broker or dealing with unregistered sub-brokers.
- (xv) Failure to comply with directions issued by the Board under the Act or the regulations framed thereunder.
- (xvi) Failure to exercise due skill, care and diligence.
- (xvii) Failure to seek prior permission of the Board in case of any change in its status and constitution.
- (xviii) Failure to satisfy the net worth or capital adequacy norms, if any, specified by the Board.
- (xix) Extending use of trading terminal to any unauthorized person or place.
- (xx) Violations for which no separate penalty has been provided under these regulations.

**27. Liability for action under the Enquiry Proceeding Regulations-** A stock broker or a sub-broker shall be liable for any action as specified in the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulation, 2002 including suspension or cancellation of his certificate of registration as a stock broker or a sub-broker, as the case may be, if he-

- (i) ceases to be a member of a stock exchange; or
- (ii) has been declared defaulter by a stock exchange and not readmitted as a member within a period of six months; or
- (iii) surrenders his certificate of registration to the Board; or
- (iv) has been found to be not a fit and proper person by the Board under these or any other regulations; or

- (v) has been declared insolvent or order for winding up has been passed in the case of a broker or sub-broker being a company registered under the Companies Act, 1956; or
- (vi) or any of the partners or any whole time director in case a broker or sub-broker is a company registered under the Companies Act, 1956 has been convicted by a court of competent jurisdiction for an offence involving moral turpitude; or
- (vii) fails to pay fee as per Schedule III of these regulations; or
- (viii) fails to comply with the rules, regulations and bye-laws of the stock exchange of which he is a member; or
- (ix) fails to co-operate with the inspecting or investigating authority; or
- (x) fails to abide by any award of the Ombudsman or decision of the Board under the Securities and Exchange Board of India (Ombudsman) Regulations, 2003; or
- (xi) fails to pay the penalty imposed by the Adjudicating Officer; or
- (xii) indulges in market manipulation of securities or index; or
- (xiii) indulges in insider trading in violation of Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 1992; or
- (xiv) violates Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Fraudulent and Unfair Trade Practices relating to Securities Market) Regulations, 2003; or
- (xv) commits violation of any of the provisions for which monetary penalty or other penalties could be imposed; or
- (xvi) fails to comply with the circulars issued by the Board; or
- (xvii) commits violations specified in regulation 26 which in the opinion of the Board are of a grievous nature.

**28. Liability for prosecution-** A stock broker or a sub-broker shall be liable for prosecution under section 24 of the Act for any of the following violations, namely: -

- (i) Dealing in securities without obtaining certificate of registration from the Board as a stock broker or a sub-broker.
- (ii) Dealing in securities or providing trading floor or assisting in trading outside the recognized stock exchange in violation of provisions of the Securities Contract (Regulation) Act, 1956 or rules made or notifications issued thereunder.
- (iii) Market manipulation of securities or index.

- (iv) Indulging in insider trading in violation of Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 1992.
- (v) Violating the Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Fraudulent and Unfair Trade Practices relating to Securities Market) Regulations, 2003.
- (vi) Failure without reasonable cause—
  - (a) to produce to the investigating authority or any person authorized by him in this behalf, any books registers, records or other documents which are in his custody or power; or
  - (b) to appear before the investigating authority personally or to answer any question which is put to him by the investigating authority or
  - (c) to sign the notes of any examination taken down by the investigating authority.
- (vii) Failure to pay penalty imposed by the adjudicating officer or failure to comply with any of his directions or orders.

GYANENDRA NATH BAJPAL, Chairman

[Advt. III/IV/69-ZB/2003/Exty.]

**Footnote:—**

1. Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers And Sub-Brokers) Regulations, 1992, the principal Regulations, was published in the Gazette of India on October 23, 1992 vide GSR No. 780 (E).
2. It was subsequently amended on :
  - (a) November 28, 1995 by the SEBI (Payment of Fees) (Amendment) Regulations, 1995 vide S.O. No. 939 (E).
  - (b) January 5, 1998 by SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Amendment) Regulations, 1998 vide S.O. No. 13 (E).

- (c) January 21, 1998 by SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Second Amendment) Regulations, 1998 vide S.O. No. 75 (E).
- (d) December 16, 1998 by SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Third Amendment) Regulations, 1998 vide S.O. No. 1078 (E).
- (e) July 6, 1999 by SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Amendment) Regulations, 1999 vide S.O. No. 541 (E).
- (f) March 14, 2000 by SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Amendment) Regulations, 2000 vide S.O. No. 234 (E).
- (g) March 28, 2000 by SEBI (Appeal to Securities Appellate Tribunal) (Amendment) Regulations, 2000 vide S.O. No. 278 (E).
- (h) August 30, 2000 by SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Second Amendment) Regulations, 2000 vide S.O. No. 787 (E).
- (i) May 29, 2001 by SEBI (Investment Advice by Intermediaries) (Amendment) Regulations, 2001 vide S.O. No. 476(E).
- (j) November 15, 2001 by SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Amendment) Regulations, 2001 vide S.O. No. 1128 (E).
- (k) February 20, 2002 by SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Amendment) Regulations, 2002 vide S.O. No. 220 (E).
- (l) September 27, 2002 by SEBI (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002 vide S.O.No.1045 (E).
- (m) September 23, 2003 by SEBI (Stock Brokers and Sub-brokers) (Amendment) Regulations, 2003 vide S.O.No.1095 (E).

\*\*\*\*\*